

बचपन से सुना

बचपन से सुना हमने मालिक तू हमारा है,
घर पे आई मुशीबत तो दिया तूने सहारा है,
बचपन से सुना हमने मालिक तू हमारा है,

लोरियों की जगह हम श्याम तेरे भजनो को सुनते थे,
सुन कर तेरे पत्तों को सपने येही भूँते थे,
हम को भी उभारो गे जैसे सबको उभारा है,
घर पे आई मुशीबत तो दिया तूने सहारा है,

तूफान जो नहीं आता हम खुद ही सम्बल जाते,
हारे के सहारे हो कैसे हम समज पाते,
डोली जब नाव मेरी बन के आया किनारा है,
घर पे आई मुशीबत तो दिया तूने सहारा है,

तुम हो या नहीं ये भी कहते हुए देखा है,
तुझे भक्तो की आँखों से बेहते हुए देखा है,
जीत बन कर के आया तू जब भी राज हारा है,
घर पे आई मुशीबत तो दिया तूने सहारा है,

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/5250/title/bachpan-se-suna-humne-malik-tu-hamara-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |